गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2015-2017 सेवा में,

मासिक
गोलालारीय दर्शन

अपनों के साथ अपनी बातें

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं । हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसको समाज से प्यार नहीं ।

वर्ष : 7 अंक : 12 पृष्ठ संख्या : 12 माह – 15 अक्टूबर 2016 सहयोग राशी – आजीवन सदस्य बनें ।

आचार संहिता चुनाव के समय ही क्यों? हमेशा क्यों नहीं ?

साधना जैन, संजय जैन लालू, भोपाल । गांधी जयंती के अवसर पर भव्य अहिंसा रैली आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के सानिध्य में आज टीन शेड जैन मंदिर से रोशनपुरा राजभवन होती हुई एम.वी.एम कॉलेज पहुंची जहां मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान वित्त मंत्री जयंत मलैया, श्रीमति साधना चौहान और प्रमोद हिमांशु आदि ने उनकी अगवानी की । रैली अपने गंतव्य लाल परेड मैदान में पहुंचकर धर्म सभा में तब्दील हो गई । रैली में समस्त मुनिगण, ब्रह्मचारी दीदीयां, साथ में 4000 युवा अपने हाथों में अहिंसा संबंधी स्लोगन की तख्तियां लेकर चल रहे थे । लाल परेड मैदान पर 25000 से भी अधिक श्रावकों की उपस्थिति में सर्वप्रथम श्रीमति सुधा मलैया ने मंगलाचरण से धर्मसभा का प्रारम्भ किया । चित्र अनावरण श्री शिवराजसिंहजी, जयंत मलैया, आलोक संजर, आलोक शर्मा ने किया । मुख्यमंत्री ने सपत्नीक श्रीफल भेंट किया । इस अवसर पर जयंत मलैयाजी ने अपने उदगार व्यक्त किये । उन्होंने कहा हमारा सौभाग्य है गुरुवर राजधानी में आज गांधीजी और शास्त्री जी की जयंती पर हमारे निवेदन पर क्षमावाणी में पधारे । शिवराज सिंहजी ने कहा कि हम धन्य है जो आचार्य श्री के युग में हमारा जन्म हुआ है। गांधीजी को नही देखा परंतु वे गुरुवर से भिन्न नही होगें । जगत के कल्याण के लिए सदमार्ग पर दुनिया को चलाने का कार्य आचार्यश्री कर रहे है और वो सिर्फ जैन के नहीं जन जन के है । क्षमा कमजोरों कायरों का धर्म नही है क्षमा एक विज्ञान है वेद है पुराण है। ये मानव जीवन सफल हो, सदबुद्धि मिलती रहे, सन्मार्ग पर चलते रहे, ये आप जैसे गुरु से आर्शीवाद मांगते हैं । उन्होंने कहा कि जब तक जितनी गाय है उतनी गौशालाएं प्रदेश में न खुल जाए तब तक में चैन से नही बैठूंगा । नशामुक्त प्रदेश की कल्पना को साकार करना है । इस अवसर पर परम पूज्य आचार्य श्री ने कहा की धरती का नाम क्षमा है, कीट पतंगे नदी नाले सभी इस धरती की गोदी में विचरण करते है, स्वर्ग से अच्छी धरती है ये भारत की धरती । अहिंसा को प्रणाम करने से अहिंसा का पालन नही होता । अहिंसा एक निषेधात्मक शब्द है । उन्होंने कहा की श्रम के बिना पुरुषार्थ, पुरुषार्थ के बिना पुरुष का जीवन अधूरा होता है । धरती की दरारें पानी की बूंदों से भरती और जीवन की दरारें क्षमा से भरती है । पात्र के बिना पानी टिक नहीं सकता और पात्र के बिना प्राणी टिक नही सकता । शिक्षा हमेशा कर्म की होती है जबकि आज शिक्षाकर्मी की शिक्षा चल रही है। भारत की मर्यादा खेतीबाडी है । शिक्षा ऐसी हो जो भारतीय संस्कृति के आधार पर होना चाहिए परंतु बिना सिंग और पूँछ ही शिक्षा चल रही है। बड़े बड़े स्नातक आज बेरोजगार घूम रहे है अनेक इंजीनियर कर्जे से दबे हुए है उन्हे ऋणी बना दिया है। विश्व बैंक के कर्जे से भारत की बैंक भी दब रही है । आर्थिक गुलामी के दौर से भारत गुजर रहा है । शिक्षा लेकर अपना अच्छा कर्म करें पुरुषार्थ करें । बाबू बनने के चक्कर में कर्म से दूर हो रहे हैं आज देश के युवा । श्रम रहित समाज गुलामी की मानसिकता का प्रतीक बन जाता है । गुरुवर ने कहा कि किसान आज पूरा कर्म करने के बाद भी दुखी क्यों है इस पर विचार करने की जरूरत है। आज इंडिया की नही प्राचीन भारत की कृषि को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है । आचार संहिता चुनाव के समय ही नही बल्कि हमेशा के लिए लागू होना चाहिए 70 साल हो गए आजादी को परंतु जनता का पक्ष कमजोर आज भी है । आज विदेशी भाषा

शेष पृष्ठ क्रं. 11 पर.....

भौतिकता को छोड़ संस्कारों को स्वीकारना होगा

अनुपमा जैन, अर्चना जैन, इन्दौर । 1008 श्री महावीर स्वामी का ''जीओ और जीने दो'' का अमर संदेश देते हुए 18 सितम्बर सुबह 6.30 बजे दो पहिया वाहनों पर हजारों लोगों का कारवां तिलक नगर से गोम्मटगिरी की ओर बढ़ा । पुरुष वर्ग सफेद परिधान के साथ सिर पर गुलाबी साफा, गले में पचरंगी दुपट्टा, महिलायें केशरिया वस्त्रों में व युवा मातृशक्ति सफेद सलवार सूट के साथ हाथो में जैन ध्वजा व तख्तियां लिए अहिंसा के संदेशों के साथ 'बेटी बचाओ, पर्यावरण और गौ रक्षा का संदेश' नगर वासियों को देते हुए चल रहे थे ।

सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में नगर के 110 मंदिरों के समाजजन उत्साह के साथ शामिल हुए । चार चार वाहनों की कतार में चल रही अहिंसा रैली तिलक नगर से प्रारंभ होकर विजय नगर, क्लर्क कालोनी, छत्रपति नगर होते हुये गोम्मटगिरी पहुंची । जगह जगह रैली का स्थानीय समाज ने भव्य स्वागत किया । रैली वापसी में कालानी नगर, बड़ा गणपति, पलासिया होते हुए तिलक नगर पहुंचकर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई । मंगलाचरण का वाचन मधुर कंठी श्रीमती सीमा अजित जैन ने किया । डॉ. रेखा दीदी ने अपने ओजस्वी उद्बोधन से सभा को अल्हादित कर दिया । अंत में 108 आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज की परम योग्य शिष्या 105 आर्यिका आदर्शमति माताजी नेअपने उद्बोधन में कहा कि अगर हमें शांति स्थापित करना है तो भौतिकता छोड़ संस्कारों की बात करना होगी । आज हमारी कमीज पर आचरण का बटन लगा होना था लेकिन वहां पाश्चात्य संस्कृति का बटन

जड़ा हुआ है । हम पाश्चात्य संस्कृति में जकड़े हुए है इसलिए हमारा स्वभाव भी अकड़ा हुआ है । हमें नैतिकता के आगे झुकना सीखना होगा, झुकना जिंदा लोगों की पहचान है और अकड़े रहना मुर्दों की पहचान है । इतिहास उज्जवल हीरों से बनता है, घास के तिनकों से नहीं । जिस प्रकार मिट्टी की एकता से ईंट, ईंट की

शेष पृष्ठ क्रं. 4 पर.....

गोलालारीय दर्शन समाज के 4200 परिवारों तक नियमित भेजा जा रहा है । संभव है डाक व्यवस्था या आपका पता सही न होने के कारण पत्रिका आपको व आपके रिश्तेदारों तक पत्रिका नहीं पहुंचती है तो उनका नाम व पता पोस्टकार्ड पर लिखकर पत्रिका कार्यालय पर भेज देवें या 9424013136 पर दोप. 4 से रात्रि 10 तक संपर्क कर सकते है या अपने पता का एसएमएस कर सकते है ।